K–1079

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

PJ–101

Certificate/Diploma in Phalit Jyotish (CPJ/DPJ) Ist Semester/Ist Year Examination Dec., 2023

खगोलीय परिचय एवं फलित ज्योतिष हेतु आरम्भिक गणित

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पठित पाठ्यपुस्तक के आधार पर 'ग्रहस्पष्ट' का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

2. वर्तमान में ज्योतिषशास्त्र की उपादेयता पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

   (अ) अधिमास एवं क्षयमास

   (ब) भचक्र

4. राशियों का परिचय देते हुए उसके स्वभाव, प्रकृति एवं बलाबल की व्याख्या कीजिए।

5. योग एवं नक्षत्र का सैद्धान्तिक विश्लेषण कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अहोरात्र का परिचय देते हुए भारतीय वर्षमान पद्धति का वर्णन कीजिए।

2. सौरमण्डल में स्थित चन्द्र एवं शनि ग्रह का वर्णन कीजिए।

3. पंचांग की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. नक्षत्रों के चरण फल का विवेचन कीजिए।

5. वार से क्या तात्पर्या है ? स्पष्ट कीजिए।

6. अक्षवेदांश एवं त्रिशांश का उदाहरण सहित लेखन कीजिए।

7. षष्ट्यंश से आप क्या समझते हैं ? फलित ज्योतिष में उसकी क्या उपयोगिता है ?

8. षोडश वर्ग का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

****